History

दक्षिण भारत में नमक आन्दोलन के दौरान त्रिचनापल्ली (वेदारण्यम्) तक यात्रा कर नमक कानून सी० गोपालाचारी ने तोड़ा था।

During the Salt Movement in South India C. Gopalachari broke the Salt Law by travelling to Trichy - Palli (Vedaranyam).

नमक आन्दोलन के दौरान गांधी जी को गिरफ्तार करके यरवदा जेल में रखा गया था। गांधी जी की गिरफ्तारी के पश्चात् इस आंदोलन का नेतृत्व अब्बास तैयब जी ने किया

During the Salt Satyagraha, Gandhiji was arrested and keep in Yerawada Jail.

सविनय अवज्ञा के दौरान कांग्रेस ने न लगान, न टैक्स देने का अभियान संयुक्त प्रांत से शुरू किया.

During the Civil Disobedience, Congress started a Campaign of paying no rent or tax from the United Province.

→ उत्तर प्रदेश

गांधी जी द्वारा संचालित महिलाओं की सर्वाधिक भागीदारी नमक सत्याग्रह में मानी जाती है।
(महिलाओं की भागीदारी के लिए सरोजनी नायडू और कमला देवी चट्टोपाध्याय ने गांधी जी से आग्रह किया।

The maximum participation of women is considered in the Salt Satyagraha led by Gandhiji
(Sarojini Naidu to the women)

दाण्डी मार्च के दौरान गांधी जी ने कहा था कि घुटने टेक कर मैंने रोटी मांगी थी, जबाव में मुझे पत्थर मिला।

During the Dandi March, Gandhiji had said that I had asked for bread on my knees, but in response I got stones

सविनय अवज्ञा के दौरान ग्रामीण जनता ने चौकीदारी कर अदा करने से पूर्वी भारत में मना कर दिया था। During the Civil Disobedience, the rural population in eastern India refused to pay the Chowkidara tax.

धरासना नमक आंदोलन के दौरान मुम्बई का केंद्र बिंदु था।

Dharasana was the focal point in Mumbai during the Salt Satyagraha.

नेतृत्व सरोजनी नायडू, अमेरिकी पत्रकार - वेब मिलर

June 1930 में गांधी जी की गिरफ्तारी के बाद सविनय अवज्ञा का नेतृत्व अब्बास तैयबजी ने किया था।

After Gandhiji's arrest in June 1930, the Civil disobedience was led by Abbas Tayyabji.

आचार्य विनोबा भावे सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने पर प्रथम बार गिरफ्तार हुए थे।

भूदान आंदोलन → 1951

Achanya Vinoba Bhave was arrested for the first time for participating in the Civil Disobedience Movement

स्वैच्छिक भूमि सुधार आंदोलन

गांधी जी ने विदेशी पत्रकार (अमेरिकी पत्रकार) वेब मिलर को दांडी मार्च के समय अपने साबरमती आश्रम पर ठहराया था।

Gandhiji had lodged foreign journalist (American journalist) Webb Miller at his Sabarmati Ashram

during the Dandi March.

सविनय अवज्ञा के दौरान अंग्रेजी सरकार के विरुद्ध पेशावर काण्ड का नायक वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली था। Veer Chandra Singh Garhwali was the hero of the peshawar incident against the British government during the Civil Disobedience

1930-1934

कांग्रेस ने सविनय अवज्ञा आंदोलन को आधिकारिक रूप से May 1933 में निलंबित और may 1934 में वापिस ले लिया।

The Congress officially suspended the Civil Disobedience movement in May 1933 and withdrew it in May 1934.

गोलमेज सम्मेलन [Round Table Conference]

I → 1930 X

II → 1931 ⇒ INC ने भाग लिया

III → 1932 X

1933 ई० में सुभाष चन्द्र बोस व विट्ठलभाई पटेल ने कहा था कि एक राजनैतिक नेता के रूप में गांधी जी असफल रहे।

In 1933, Subhash Chandra Bose and Vitthalbhai Patel had said that Gandhiji was a failure as a political leader.

प्रथम गोलमेज सम्मेलन (1930-1931) First Round Table Conference (1930-1931)

स्थान ⇒ सेंट जेम्स पैलेस (लंदन) / Venue - St James's palace (London)

उद्घाटन ⇒ जार्ज पंचम / inauguration - George pncham

अध्यक्षता - ब्रिटिश PM रैम्जे मैक्डोनाल्ड

Chaired by - British PM Ramsay MacDonald

प्रतिनिधियों - की संख्या = 89 / Number of representatives = 89

भारत का G.G - इरविन / G.G. of India - Irwin

हिन्दू महासभा - डा० एम० आर० जयकर पी० एस० मुंजे

Hindu Mahasabha - Dr. M. R. Jaykar, P. S. Munje

मुस्लिम – मो० अली जिन्ना, मो० अली जौहर, आगा खाँ, फजलुल हक

Muslim Mohammad Ali Jinnah, Mohammad Ali Johar, Aga Khan, Fazlul Haq

सिक्ख – सरदार संपूर्ण सिंह / Sikh - Sardar Sampooran Singh

एंग्लो – इंडियन – के० टी० पाल / Anglo - Indian - K.T. Pal

दलित वर्ग – डा० भीम राव अंबेडकर / Dalit Class - Dr. Bhim Rao Ambedkar

देशी रियासत – 16 नरेश / Native princely States - 16 Kings

गांधी – इरविन समझौता : अन्य नाम – दिल्ली समझौता 5 March 1931

Gandhi – Irwin pact: Other name - Delhi pact

दिल्ली

स्थान – दिल्ली / Location – Delhi

① सविनय अवज्ञा आंदोलन का स्थगन गांधी इरविन समझौते के तहत हुआ

The Civil Disobedience Movement was suspended under the Gandhi Irwin pact.

② दूसरे गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस भाग लेगी।

⇒ गांधी जी ने कहा कि अन लोगों को रिहा कर दिया जाये

जिन्होंने हिंसा नहीं की है।

⇒ भगत सिंह
⇒ सुखदेव
⇒ राजगुरु
→ फांसी ⇒ 23 March. 1931

इस समझौते के सम्पन्न होने में तेज बहादुर सप्रू व एम० आर० जयकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

Tej Bahadur Sapru and M. R. Jayakar played an important role in the Conclusion of this agreement.

गांधी जी तथा इरविन को दो महात्मा की संज्ञा सरोजनी नायडू ने प्रदान की थी।

Imp.

Sarojini Naidu had given the title of two Mahatmas to Gandhiji and Irwin.

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन [Second Round Table Conference (7 Sept. 1931 - 1 Dec. 1931)]

गांधी जी को कांग्रेस ने द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए अपने प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया था।

Gandhiji was appointed by the Congress as its representative to attend the Second Round Table Conference.

गांधी जी एस० एस० (Smp.) राजपूताना नामक जहाज में लंदन के लिए रवाना हुए थे।
Gandhiji left for London in a ship named S.S. Rajputana.

गांधी जी के सचिव - महादेव देसाई / Gandhiji's Secretary - Mahadev Desai

IInd गोलमेज सम्मेलन - सेंट जेम्स पैलेस
IInd Round Table Conference - St. James Palace

भारत का G.G. तिलिंगटन (1931-35) / India's G.G. Wellington (1931-35)

ब्रिटिश PM = रैम्जे मैकडोनाल्ड / British PM = Ramsay MacDonald

द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में - डा० भीम राव अंबेडकर, मो० इकबाल, मदन मोहन मालवीय, अली इमाम, घनश्यामदास बिडला आदि ने भाग लिया।
In the Second Round Table Conference - Dr. Bhim Rao Ambedkar, Mohd. Iqbal, Madan Mohan Malviya, Ali Imam, Ghanshyamdas Vidla etc. participated.

महिला :- ऐनी बेसेंट, सरोजनी नायडू, बेगम सहताज, सुब्बारायन आदि महिलाओं ने भाग लिया।

Women :- Anne Besant, Sarojini Naidu, Begum Sehwaz, Subbarayan etc. women participated

IInd गोलमेज सम्मेलन सांप्रदायिक (मुसलमानों) प्रतिनिधित्व पर असफल रहा

IInd Round Table Conference failed on Communal representation.

IIIrd गोलमेज सम्मेलन - 1932 / IIIrd Round Table Conference - 1932

लंदन में संपन्न हुए प्रथम गोलमेज सम्मेलन में भारतीय इसाईयों का प्रतिनिधित्व के० टी० पॉल

Representation of Indian Christians in the first Round Table Conference held in London - K.T. Paul

तीनों गोलमेज सम्मेलनों में डा० भीमराव अंबेडकर व तेज बहादुर सप्रू ने भाग लिया था।

Dr. Bhimrao Ambedkar and Tej Bahadur Sapru participated in all three Round Table Conferences.